अध्याय 1: प्रस्तावना

1.1 आयकर विभाग (आईटीडी) ने 80 के शुरूआत से कम्प्यूटरीकरण की पहल की थी जिसका लक्ष्य विशिष्ट कार्यात्मकता था। 1993 तक आईटीडी के पास व्यापक कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम (सीसीपी) के अन्तर्गत एक वृहद् कम्प्यूटरीकरण रोड मैप था। आईटीडी ने समय-समय पर कई अतिरिक्त आईसीटी एप्लिकेशन्स चालू किया। "आईटीडी एप्लिकेशन्स " आईटीडी में वर्तमान में प्रचलित आईसीटी पहलों का एक संग्रहण को संदर्भित करता है।

आईटीडी में आईटी प्रबन्धन के लिए संगठनात्मक गठन

1.2 केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के सदस्य (विधान एवं कम्प्यूटरीकरण) का आईटीडी में आईटी प्रबन्धन का समग्र उत्तरदायित्व है। नई दिल्ली में 1981 में आयकर सिस्टम्स (डीआईटी-एस) निदेशक के कार्यालय का गठन किया गया था। नवम्बर 2000 से आयकर सिस्टम्स महानिदेशक आईटी निदेशालय का प्रमुख होता है। डीजीआईटी-एस की सहायता निदेशक एवं विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) करते हैं। निम्नलिखित चार्ट डीजीआईटी-एस का गठन और अधिकारियों का कार्यात्मक वितरण प्रदर्शित करता है:

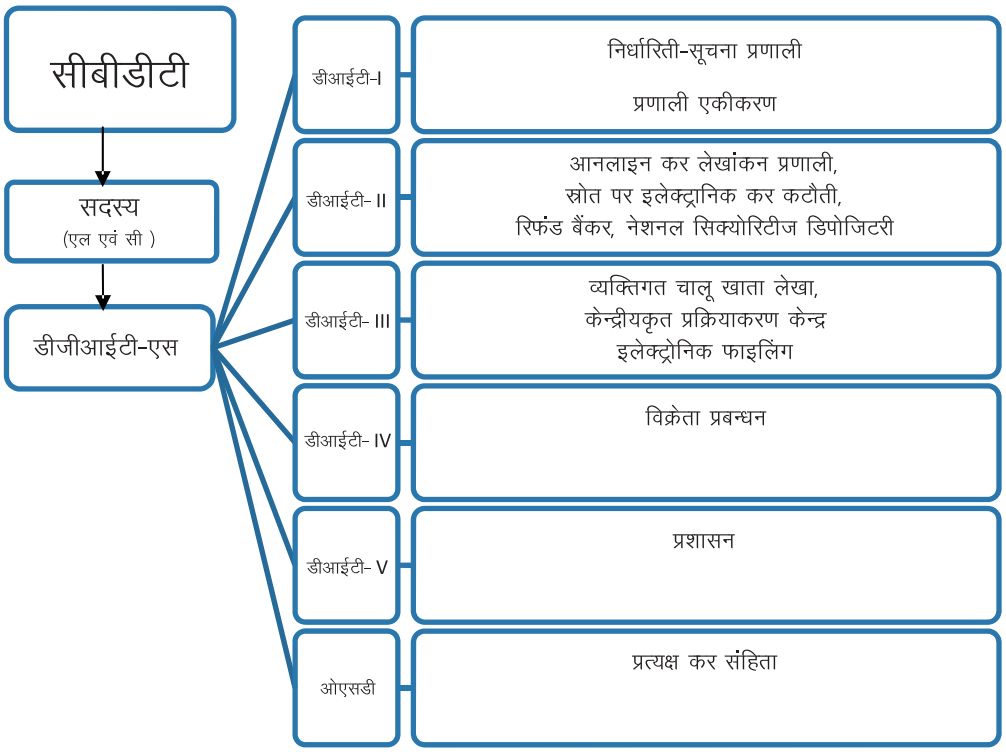

चार्ट 1: डीजीआईटी (सिस्टम्स) के संगठन का ढ़ाँचा

1.3 डीजीआईटी-एस के कार्य हैं: (i) साफ्टवेयर डिवलपमेंट, (ii) हार्डवेयर इंस्टालेशन्स, (iii) प्रशिक्षण एवं समन्वयन, (iv) नेशनल कम्प्यूटर सेन्टर एवं रीजनल कम्प्यूटर सेन्टर की आयोजना एवं समन्वयन और (v) अनुसंधान एवं विकास करना। जून

2011 तक 42 ग्रुप ए, 8 ग्रुप बी और 18 ग्रुप सी अधिकारी तैनात थे जबकि संस्वीकृत क्षमता क्रमशः 39, 18 एवं 21 थी।

1.4 क्षेत्रीय स्तर पर 36 रीजनल कम्प्यूटर सेन्टर (आरसीसी) हैं जो आईटीडी के आईटी-सिस्टम्स के उपयोग और कार्यान्वयन से सम्बन्धित सभी विषय निर्धारण अधिकारी (एओ) और डीजीआईटी-एस के बीच लिंकेज उपलब्ध करता है। आरसीसी आयकर आयुक्त कम्प्यूटर प्रचालन (सीआईटी-सीओ) जो मुख्य आयकर आयुक्त (सीसीआईटी) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करते हैं द्वारा व्यवस्थित किए गए हैं। सीआईटी-सीओ की सहायता उप-निदेशक एवं सहायक निदेशक करते हैं। आसीसी डाटाबेस दिसम्बर 2008 में प्राइमरी डाटा सेन्टर, नई दिल्ली में सिंगल नेशनल डाटाबेस में एकीकृत थे।

1.5 डीजीआईटी के लिए वित्त वर्ष 09 और वित्त वर्ष 12 की अवधि के दौरान बजट आबंटन एवं किए गए व्यय नीचे दिए जाते हैं:

करोड़ ₹

व्यय	वित्त वर्ष 09	वित्त वर्ष 10	वित्त वर्ष 11	वित्त वर्ष 12
***क.* स्थापना**	*7.19*	8.42	7.74	10.39
***ख.* गैर-स्थापना (आईटी)**	211.73	155.35	169.99	281.48
जोड़	218.92	163.77	177.73	291.87

हमने विषय का चयन क्यों किया

1.6 आईटीडी में "आईटी एप्लिकेशन्स " पर निष्पादन लेखापरीक्षा 2000, 2006 और 2009 में किए गए हमारे पहले अध्ययनों का अद्यतन रूप है जिसमें यह दर्शाया गया था कि आईटीडी की आईटी पहल आईटी सेक्टर के प्रौद्योगिकी विकास सहित कारबार आवश्यकताओं के साथ ताल-मेल बनाये रखने के लिए आवश्यक थी।

लेखापरीक्षा उद्देश्य

1.7 यह आश्वासन प्राप्त करना हमारे अध्ययन के उद्देश्य हैं कि:

क. कोर बिजनेस एप्लिकेशन्स सीसीपी में यथापरिकल्पित और बाद के परिवर्तन आवश्कताओं के अनुसार कार्य कर रहे हैं, कारबार आवश्यकताओं की पूर्ति की मात्रा, प्रत्यक्ष कर पर कार्यबल की सिफारिशें एवं बीपीआर रिपोर्ट में शामिल सिफारिशें;

ख. कोर एप्लिकेशन्स विधिवत एकीकृत हैं और एकीकरण एवं परस्पर सम्बन्ध का स्तर कारबार की आवश्यकता, समयबद्धता, डाटा की शुद्धता स्तर, डाटा का आदान-प्रदान एवं डाटा एकीकरण के अनुरूप है;

ग. डाटा सुरक्षा, डाटा विश्वसनीयता एवं आपदा प्रबन्धन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएँ हैं।

लेखापरीक्षा कार्यक्षेत्र एवं कवरेज

1.8 हमारे पहले अध्ययनों[1] में पृथक एप्लिकेशन्स जैसे एएसटी एवं ई-टीडीएस का निष्पादन मूल्यांकन किया गया था। वर्तमान अध्ययन में हमने परस्पर सम्बन्धों पर मूल फोकस के साथ निम्नलिखित चार कोर आईटीडी एप्लिकेशन्स (परिशिष्ट में ब्यौरे) की जाँच-पड़ताल की हैः

क. निर्धारण सूचना प्रणाली (एएसटी),

ख. आनलाइन कर लेखांकन प्रणाली (ओल्टास),

ग. स्रोत पर इलेक्ट्रानिक कर कटौती प्रणाली (ईटीडीएस),

घ. व्यक्तिगत चालू खाता लेखा प्रणाली (इरला),

1.9 लेखापरीक्षा अध्ययन में मुख्यतः वित्त वर्ष 2008 से वित्त वर्ष 10 के बीच की अवधि के दौरान रीजनल कम्प्यूटर सेन्टर (आरसीसी) दिल्ली का कार्यचालन कवर किया गया था। आरसीसी दिल्ली के निष्कर्ष भी अखिल भारतीय स्तर पर सत्यापित किए गए थे।

लेखापरीक्षा कार्यप्रणाली

1.10 लेखापरीक्षा ने प्रणाली प्रलेखन एवं यूजर मैनुअल; असंगतताओं, गलतियों, चूकों एवं अपवाद रिपोर्टों की जाँच के लिए आरसीसी दिल्ली से प्राप्त चयनित नमूना के लिए संव्यवहार डाटा पर की गई क्वेरीज की जाँच-पड़ताल की थी; मिलान के लिए प्रतीक्षित डाटा की जाँच पड़ताल की और सम्बन्धित कर्मचारियों से साक्षात्कार किया। हमने फरवरी 2011 और अगस्त 2012 में सीबीडीटी के साथ क्रमशः एन्ट्री एवं एक्जिट कान्फ्रेंस किया।

लेखापरीक्षा नमूना

1.11 बेस नमूना में उन निर्धारितियों जिनकी निर्धारण वर्ष 10 में विवरणी आय ₹ 9 लाख से अधिक थी, से सम्बन्धित डाटा सम्मिलित था। उन निर्धारतियों (पैन) के लिए लेखापरीक्षा ने आरसीसी दिल्ली से सम्बन्धित पूर्ववर्ती एवं परवर्ती निर्धारण वर्षों में संव्यवहारों की जाँच-पड़ताल की। कुल 109,564 विवरणियाँ कुल विवरणी आय के 80% से अधिक का लेखांकन करते हुए निर्धारण वर्ष 10 में दाखिल करने वाले कर दाताओं का लगभग 5% प्रतिशत थी।

[1] निर्धारण सूचना प्रणाली (एएसटी) की निष्पादन लेखापरीक्षा सीएजी के 2006 की प्रतिवेदन संख्या 10 में शामिल थी एवं ई-टीडीएस प्रणाली की आईटी लेखापरीक्षा सीएजी के 2009 की प्रतिवेदन संख्या पीए 25 में शामिल थी।

आभार

1.12 हम अध्ययन के लिए आवश्यक अभिलेख, सूचना एवं प्रतिक्रियाएँ उपलब्ध कराने के लिए आईटीडी एवं सीबीडीटी के सहभागिता सहयोग के लिए धन्यवाद करते हैं।